शीशा टूट गया प्रेम वाला चूर हो गया

शीशा टूट गया प्रेम वाला चूर हो गया,
हो सतगुरु माफ करो यह कसूर हो गया,
शीशा टूट गया प्रेम वाला चूर हो गया....

बाबा जी ने मंदिर बनाया ईटा जोड़ जोड़ के,
हो संगता दर्शना नू आईया बड़ी दूर दूर से,
शीशा टूट गया प्रेम.....

बाबा जी ने सराय बनाईया कमरा जोड़ जोड़ के,
हो संगता रहने जो आईया बड़ी दूर दूर से,
शीशा टूट गया प्रेम.....

सतगुरु बाग लगाया फुला जोड़ जोड़ के,
हो संगता घूमने जो आईया बड़ी दूर दूर से,
शीशा टूट गया प्रेम.....

सतगुरु लंगर लगाया दाना जोड़ जोड़ के,
हो संगता खाने जो आईया बड़ी दूर दूर से,
शीशा टूट गया प्रेम.....

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/28066/title/sheesha-tutt-gya-prem-wala-choor-ho-gya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |